भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2642

(जिसका उत्तर मंगलवार, 11 अगस्त, 2026/20 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाना है)

शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए बजटीय आवंटन

2642. श्री संजय यादव:

क्या ***वित्त*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पाँच वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए कुल केंद्रीय बजट व्यय के प्रतिशत के रूप में किए गए बजटीय आवंटन का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या उक्त आवंटन राष्ट्रीय नीति दस्तावेजों में की गई सिफारिश के अनुरूप शिक्षा पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 6 प्रतिशत और स्वास्थ्य पर जीडीपी के 2.5 प्रतिशत व्यय के लक्ष्य को प्राप्त करता है;

(ग) क्या सरकार उक्त आवंटन में वृद्धि करने पर विचार कर रही है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में भारत के सार्वजनिक स्वास्थ्य और शिक्षा व्यय की अन्य जी-20 अर्थव्यवस्थाओं के साथ तुलनात्मक स्थिति क्या है?

उत्तर

वित्त राज्य मंत्री

(श्री पंकज चौधरी)

(क) विगत पांच वर्षों में से प्रत्येक के दौरान कुल केंद्रीय बजट व्यय के प्रतिशत के रूप में शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए बजटीय आवंटन (वास्तविक व्यय) निम्नानुसार थाः

2021-22:4.4%, 2022-23:4.2%, 2023-24:4.7%, 2024-25:4.4% और 2025-26 (अनंतिम): 4.3%।

(ख): शिक्षा और स्वास्थ्य क्रमशः समवर्ती सूची और राज्य सूची में हैं। केंद्र और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र (विधान मण्डल सहित), दोनों सरकारें शिक्षा और स्वास्थ्य का दायित्व साझा करती हैं। (क) में उल्लिखित आवंटन केंद्र सरकार के मंत्रालयों/विभागों द्वारा व्यय तक सीमित हैं। उपरोक्त के अलावा, शिक्षा और स्वास्थ्य पर व्यय राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र (विधान मण्डल सहित) सरकारों और स्थानीय निकायों द्वारा किया जाता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 आदि जैसे नीतिगत दस्तावेजों में उल्लिखित शिक्षा और स्वास्थ्य के लक्ष्य उपरोक्त क्षेत्रों में कुल सार्वजनिक निवेश के लिए हैं, जिसमें सरकार के उपरोक्त सभी स्तर शामिल हैं। इसलिए, (क) में उल्लिखित राशियों की तुलना प्रश्न में उल्लिखित लक्ष्यों से सही रूप से नहीं की जा सकती है।

(ग): केंद्रीय बजट में मंत्रालयों/विभागों को वृद्धि सहित विशिष्ट आवंटन, वर्ष के बीच में वित्त मंत्रालय द्वारा की गई समीक्षा, व्यय के रुझानों, संबंधित मंत्रालय/विभाग की अवशोषित क्षमता और उपलब्ध राजकोषीय अंतराल को ध्यान में रखते हुए किया जाता है। तथापि, केंद्र सरकार द्वारा शिक्षा और स्वास्थ्य में कुल व्यय वित्त वर्ष 2021-22 में ₹1.67 लाख करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में ₹2.13 लाख करोड़ (अनंतिम) हो गया है।

(घ): जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, शिक्षा और स्वास्थ्य पर व्यय के बहु-स्तरीय स्वरूप को देखते हुए, केंद्र सरकार के आवंटन की तुलना जी-20 अर्थव्यवस्थाओं के रिपोर्ट किए गए आंकड़ों के साथ (उदाहरण के लिए, जैसा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन डेटाबेस में दर्शाया गया है) एक जैसी (लाइक-टू-लाइक) तुलना के स्वरूप में नहीं हो सकता है।

*****